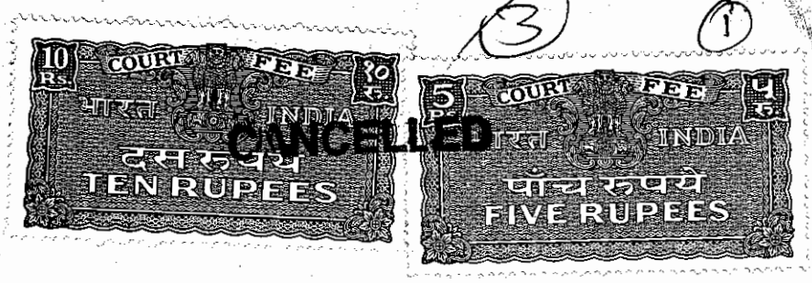

(3) (1)

समक्ष न्यायलय श्री मान छत्तीसगढ़ उच्च न्यायलय बिलासपुर (छ.ग.)

सिविल पुनरीक्षण क्रमांक 45 2005 Single Bench

आवेदक (पुनरीक्षण कर्ता) :- योगेश मानवटकर पिता स्व. उमाकांत मानवटकर आयु 35 वर्ष, निवासी गजानंद गली तालापारा रोड विनोबा नगर बिलासपुर (छ.ग.)

विरूद्ध

अनावेदक :- वंदना मानवटकर पति योगेश मानवटकर आयु 30 वर्ष निवासिनी महादुला बौद्ध विहार के पास कोराडी पों. महादुला तह. व जिला नागपुर महाराष्ट्र।

R.R. No. 496/05
Presented by Smt. Vandana Manwatkar
dated 21.02.05

व्यवहार पुनरीक्षण अंतर्गत धारा 115 व्य.प्र.सं।

संदर्भ

XI-HC-22

उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़, बिलासपुर

(20)

आदेश पत्रक

मामला क्रमांक C.R. 415 सन् 2005

..... विरुद्ध .....

आदेश का दिनांक आदेश क्रमांक सहित	आदेश हस्ताक्षर सहित	कार्यालयीन मामलों में डिप्टी रजिस्ट्रार के अन्तिम आदेश

19.4.2005

Shri Venkateshwar Tiwari, counsel for the applicant.

None for the respondent.

Heard.

At the very outset, learned counsel for the applicant submits that in view of the new amendment in Section 115 of the Code of Civil Procedure, this revision would not be maintainable.

He prays for withdrawal of the revision with liberty to file appropriate petition if any eventuality arises.

As prayed, the revision is dismissed as withdrawn with liberty to the applicant to file appropriate proceedings under the law, in case such an eventuality arises.

Certified copy of the impugned order be returned to counsel for the applicant after retaining the photocopy of the same, if demanded within 15 days from today.

With the above observations, this revision stands finally disposed of. There shall be no order as to costs.

Sd/-
Sunil Kumar Sinha
Judge

Rao

(पीछे देखिये)